RNI NO. - CHHHIN/2011/38292

13 वर्ष निर्भीक पत्रकारिता के

अब 14 वें वर्ष की ओर

पाठकों/दर्शकों का असीम स्नेह

Bharatsamman.com | Bharat samman | Bharat Samman

हो जाओ सावधान

वर्ष-14 अंक-18 | अम्बिकापुर, शुक्रवार, 26 अप्रैल 2024 | कुल पृष्ठ-4 मूल्य-1.00 रू.

केजरीवाल पर 24 घंटे नजर रख रहा पीएमओ मौका पाते ही करा देगा हत्याः संजय सिंह

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता संजय सिंह ने पीएम नरेंद्र मोदी के नाम एक चिट्ठी लिखी है, जिसमें उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर सीसीटीवी के जरिए 24 घंटे निगरानी रखने का आरोप लगाया है। यह आरोप उन्होंने पीएमओ और दिल्ली के एलजी पर लगाया है। आप नेता संजय सिंह ने पत्र में लिखा कि आदरणीय प्रधानमंत्री जी, नम्र निवेदन के साथ आपको अवगत कराना चाहता हूं कि पिछले कुछ दिनों से दिल्ली के चुने हुए मुख्यमंत्री के साथ जो कुछ हो रहा है, वो अत्यधिक दुःखद है। पूरी दिल्ली की जनता गहरी पीड़ा में है। तिहाड़ जेल को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी के लिए यातना गृह बना दिया गया है। विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है कि पीएमओ एवं एलजी साहब द्वारा 24 घंटे केजरीवाल पर सीसीटीवी कैमरे द्वारा नजर रखी जा रही है। यह देखा जा रहा है कि वह क्या कर रहे हैं, क्या पढ़ रहे हैं, क्या लिख रहे हैं, कब सो रहे हैं, कब जाग रहे हैं। उनकी एक-एक गतिविधि पर ऐसे नजर रखी जा रही है, जैसे मानो कोई बहुत बड़ा जासूस जासूसी करा रहा हो। दिन भर नजर रखने के बावजूद 23 दिनों तक उनको जीवन रक्षक इंसुलिन नहीं दी गयी। उनके शुगर का स्तर बुरी स्थिति में जाने के बावजूद उन्हें इंसुलिन नहीं दी गयी। तीन बार के चुने हुए मुख्यमंत्री के साथ इस तरह का अमानवीय व्यवहार क्यों किया जा रहा है।

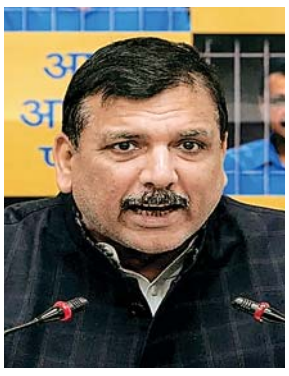

आखिर क्या गुनाह है दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल का?

आखिर क्या गुनाह है दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल का? यही की उन्होंने दिल्ली के गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा दी, पूरी दिल्ली को अच्छा इलाज दिया, बिजली-पानी फ्री किया, माताओं-बहनों के लिए 1,000 रूपये महीने देने की योजना लाए, श्रवण कुमार बनकर बुजुर्ग माताओं-बहनों को फ्री में तीर्थ कराया। क्या यही गुनाह है? क्या बिजली-पानी, पढ़ाई-लिखाई और दवाई का ख्याल रखना ही उनका अपराध हो गया है। सत्ता के इशारे पर पूरा सरकारी तंत्र केजरीवाल जी की निगरानी में लगा दिया गया है। जो जनता का काम छोड़कर केजरीवाल जी को कैसे प्रताड़ित किया जाय, इसकी योजना बना रहे हैं। सीसीटीवी में 24 घंटे अरविंद केजरीवाल जी को क्यों देखना चाहते हैं आप लोग।

अरविंद केजरीवाल से व्यक्तिगत दुश्मनी क्यों?

अरविंद केजरीवाल से आपकी वैचारिक दुश्मनी हो सकती है, लेकिन, यह व्यक्तिगत दुश्मनी क्यों? क्या देश की राजनीति में गरीबों के लिए अच्छी शिक्षा एवं स्वास्थ्य देना अपराध है, भारत की राजनीतिक विरासत बहुत समृ?द्धि रही है। क्या आप किसी विपक्षी नेता की जान लेकर विपक्ष को खत्म करना चाहते हैं?

अरविंद दुनिया की सबसे बेहतरीन सरकार दिल्ली में चला रहे हैं, आप उनके पीछे क्यों पड़े हैं? आपको केजरीवाल से कंपीटिशन करना है तो उनके जैसा स्कूल बनवाइए, अस्पताल बनवाइए, बिजली-पानी फ्री दीजिए, काम की राजनीति कीजिए। किसी नेता की जीवन रक्षक दवावों को रोककर किसी नेता की जान लेकर आज तक कोई देश आगे नहीं बढ़ा है। जिस समय आपके पूरे तंत्र को देश के युवाओं के रोज़गार की चिंता करनी चाहिए, किसानों के आत्महत्या की चिंता करनी चाहिए और महिलाओं की सुरक्षा की चिंता करनी चाहिए तो उस वक़्त इसे बस आपने चुने हुए मुख्यमंत्री की दवाई रोकने में लगा दिया है, उनके सरकार को तोड़ने-जोड़ने में लगा दिया है।

बाथरूम से लेकर खाने तक की निगरानी रखा जा रहा

बाथरूम से लेकर खाने तक की निगरानी रख रहे हैं। क्या देखना चाहते हैं कि केजरीवाल जी कितना बीमार हुए और केजरीवाल जी का मनोबल कितना गिरा? आपका पूरा तंत्र निगरानी करता है कि केजरीवाल को दवा तो नहीं मिल रही, वो इंसुलिन के बिना कितना तड़प रहे हैं। केजरीवाल की इंसुलिन बंद करने से उनकी किडनी कितनी खराब हुई? उनका लीवर कितना ख़राब हुआ? पूरी दिल्ली को फ्री दवाई देने वाले अरविंद केजरीवाल को अपनी जीवन रक्षक दवाई इंसुलिन लेने के लिए कोर्ट जाना पड़ रहा है। यह कितने दुर्भाग्य की बात है। उनका सपना तो पूरे देश को फ्री और बेहतर इलाज उपलब्ध कराने का है। क्या ये सपने ही आपकी डर का कारण हैं?

अनुच्छेद-21 संविधान की आत्मा

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जासूसी के मकसद से 24 घंटे निगरानी करना, उनकी दवा रोकना, उनको मूलभूत सुविधाओं से वंचित करके उनको मानसिक उत्पीड़न देना, उनके जीवन जीने के अधिकारों का हनन है। जो कि अनुच्छेद-21 के तहत मौलिक अधिकार के रूप में सभी देशवासियों को मिला है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अनुच्छेद-21 संविधान की आत्मा है, क्योंकि, एक नागरिक की स्वतंत्रता सर्वोपरि है। सर्वोच्च न्यायालय ने अनुच्छेद-21 की विस्तार से व्याख्या की है, जिसमें स्वास्थ्य से लेकर भोजन, जमानत, त्वरित सुनवाई, दोस्तों एवं परिवार के सदस्यों से मिलने का अधिकार आदि को इसके अंतर्गत शामिल किया। लेकिन, आज देश में एक निर्वाचित मुख्यमंत्री के सभी मौलिक अधिकारों का निर्ममतापूर्वक हनन किया जा रहा है। मुझे दुःख है कि यह सब पीएमओ एवं एलजी की निगरानी में हो रहा है।

नक्सलियों से निपटने सुरक्षाबलों ने बनाया ये एक्शन प्लान, 11 कंपनियां मतदान केंद्रों में संभालेंगी मोर्चा

बालोद। बालोद में चुनावी प्रचार थम गया है। प्रत्याशी घर-घर दस्तक दे रहे हैं। चुनाव प्रचार थमने के बाद निर्वाचन आयोग की पैनी नजर प्रत्याशियों पर है। उनसे चुनावी खर्च की जानकारी भी ली जा रही है। 26 अप्रैल को 9 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला ईवीएम में कैद हो जाएगा। लोकसभा चुनाव में जिले में 814 मतदान केंद्र बनाए गए हैं।

जिले में 71 मतदान केंद्रों को नक्सल प्रभावित, तीन मतदान केंद्र को अतिसंवेदनशील श्रेणी रखा गया है। इन केंद्रों में पुलिस बल की तैनाती की गई है। पुलिस विभाग ने इसकी सूची बनाई है। नक्सल प्रभावित मतदान केंद्रों में 8 एवं संवेदनशील मतदान केंद्रों में4-4 व सामान्य मतदान केंद्रों में एक जवान तैनात रहेगा।

राजनीतिक दलों ने प्रचार के अंतिम दिन लगाए जोर

कांकेर लोकसभा क्षेत्र में कुल 8 विधानसभा हैं। इन सभी विधानसभा में चुनाव प्रचार के अंतिम दिन प्रमुख राजनीतिक दलों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी।

राजनीतिक संवेदनशील मतदान केंद्र 283

विभागीय जानकारी के मुताबिक 283 मतदान केंद्रों में राजनीतिक संवेदनशील केंद्रों की श्रेणी में रखा गया है। पुलिस जवान और निर्वाचन आयोग की उड़नदस्ता टीम लगातार गश्त करेगी।

जंगल में सर्चिंग व शहर में फ्लैग मार्च

लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्वक कराने पुलिस ने शहर में फ्लैग मार्च भी किया। वाहनों की जांच कर प्रतिबंधित सामग्री के परिवहन की भी जांच की जा रही है। जंगल में सर्चिंग भी की जा रही है। जिले में 11 सुरक्षा कंपनी के जवान जिले में पहुंच चुके हैं। इनमें लगभग एक हजार जवान शामिल हैं। केंद्रीय सुरक्षा बल, बीएसएफ, आईटीबीपी, सीआईएसएफ, सीएफ सहित अन्य जावनों की टीम शामिल है। इसके अलावा जिला पुलिस बल भी तैनात रहेगा।

पति ने पत्नी का गला रेतकर की हत्या, खुद फांसी लगाकर की आत्महत्या

सुल्तानपुर। गुरुवार को घरेलू कलह में पति ने पत्नी का धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या की, फिर स्वयं फांसी के फंदे पर झूलकर जान दे दिया। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम में भेजकर जांच शुरू की है। घटना कुड़वार थानाक्षेत्र के फिरोजपुर गांव की है। गांव निवासी आफाक (52) बकरी खरीद फरोख्त व नाऊ का काम करता था। उसके तीन पुत्र व दो पुत्रियां थी। एक बेटी की वो शादी कर चुका है। करीब साल भर से वो डिप्रेशन में चल रहा था। ऐसे में घरेलू कलह बढ़ गई थी। इसी को लेकर उसने आज पत्नी किस्मत उल निशा (46) की धारदार हथियार से गला रेत कर हत्या की फिर जहां पत्नी का शव खून में लथपथ पड़ा था वही फांसी लगाकर उसने आत्महत्या कर लिया। दोनों का शव घर के अंदर छत पर पाया गया। माता पिता की मौत पर घर में बच्चे चीखने चिल्लाने लगे जिस पर गांव वाले मौके पर पहुंचे और सूचना पुलिस को दी। सूचना पर एसओ कुड़वार अरुण द्विवेदी और सीओ सिटी शिवम मिश्रा मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम में भेजते हुए विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। सीओ ने बताया कि मृतक का मानसिक संतुलन इधर ठीक नहीं चल रहा था।

आमजन, गरीब-मज़लूमों पर होने वाले अत्याचार के विरुद्ध क्रांतिकारी पत्रकारिता का नाम है भारत सम्मान, जब शासन-सत्ता में बैठे ऐसे लोग जो पद-पावर के नशे में चूर होकर करते हैं अपने कर्तव्यपालन में चूक तो भारत सम्मान करता है उन्हें दुरुस्त...

2011 से भारत सम्मान आगे बढ़ रहा है और मिसाल क़ायम कर रहा है ईमानदार पत्रकारिता की..

भारत सम्मान दैनिक समाचार पत्र के साथ-साथ वेबसाईट - www.bharatsamman.com, फेसबुक पेज - Bharat Samman व यू-ट्यूब - Bharat Samman News के माध्यम से जनहित के खबरों को प्राथमिकता देते हैं। हमारा दावा है यदि आप पर जुल्म हुआ है, आप न्याय के लिए कर रहे हैं संघर्ष तो केवल एक ही नाम आपको याद होना चाहिए...

भारत सम्मान

इसी क्रांतिकारी मुहिम से निम्न जगहों पर जुड़ने के लिए सम्पर्क करें

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, उत्तर प्रदेश, उतराखण्ड, बिहार, बंगाल व देश के सभी राज्यों में ब्यूरो व संवाददाता बनने संपर्क कर सकते हैं।

इन पदों में होंगे नियुक्त...

1 - राज्य ब्यूरो प्रमुख
2 - राज्य अपराध ब्यूरो प्रमुख
3 - जिला ब्यूरो प्रमुख
4 - जिला अपराध ब्यूरो प्रमुख
5 - तहसील संवाददाता
6 - तहसील अपराध संवाददाता

अपना फोटो लगा बायोडाटा हमारी ई-मेल आईडी bharatsammannews@gmail.com या व्हाट्सएप No. 09303890212 पर भेजे।

नोट

1. केवल ईमानदार लोग ही संपर्क करें, पत्रकारिता के नाम पर वसूली करने अथवा ब्लैकमेल करने वालों से हमारा कोई वास्ता नहीं
2. यहां नौकरी नहीं दी जाती है, यदि हमारे संस्था के नाम का गलत इस्तेमाल करता है, तो हमारे द्वारा जारी नंबर पर शिकायत जरूर करें।

प्रसार/प्रबंध
सम्पादक
भारत सम्मान न्यूज नेटवर्क
094242 62547
09303890212

इंडिया गेट के पास आइसक्रीम विक्रेता की चाकू मारकर हत्या

नई दिल्ली। दिल्ली में इंडिया गेट के पास एक व्यक्ति ने बुधवार देर रात आइसक्रीम विक्रेता की चाकू मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के इटावा निवाली प्रभाकर (25) के रूप में की गई है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने गुरुवार सुबह आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। पुलिस ने बताया कि आइसक्रीम विक्रेता अपने ठेले (गाड़ी) के पास खड़ा था, तभी एक व्यक्ति ने उस पर हमला कर दिया। राहगीरों ने उसे जमीन पर पड़ा हुआ देखा। उसे तत्काल इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अधिकारी ने कहा कि शुरुआती जांच में व्यक्तिगत दुश्मनी का पता चला है। हालांकि, पुलिस सभी एंगल से मामले की जांच कर रही है।

पटना रेलवे स्टेशन के पास होटल में लगी आग, 6 लोगों की जलकर मौत

पटना। बिहार की राजधानी पटना के रेलवे स्टेशन के पास गुरुवार को एक बहुमंजिला होटल में आग लगने की घटना में 6 लोगों की मौत हो गई है। पुलिस ने बताया कि पीएमसीएच में 20 लोगों को भर्ती किया गया था, जिसमें से 6 की मौत हो गई है। मौतों की पुष्टि करते हुए पुलिस ने बताया कि दो लोग पीएमसीएच में गंभीर हालत में हैं, उनका इलाज चल रहा है। मरने वालों में तीन पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं। मृतकों की पहचान की कोशिश की जा रही है।

आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा

इस पूरे मामले पर पुलिस ने कहा कि आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है, फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया है बता दें कि गुरुवार सुबह होटल में आग लगने के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस और अग्निशमन दस्ते की कई गाड़ियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। बताया जा रहा है कि सड़क के किनारे खड़ी गाड़ियों को भी आग से नुकसान पहुंचा है। भीषण गर्मी और तेज पछुआ हवा के कारण बिहार में लगातार आग लगने की घटनाएं सामने आ रही हैं।

संपादकीय

उच्च शिक्षा में भी बदलाव जरूरी

राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की पुस्तकों में पढ़ाए जाने वाले भारत के इतिहास में आर्य अब आक्रामणकारी नहीं, बल्कि भारतीय मूल के रूप में दर्शाए गए हैं। 21 वर्ष की खींचतान और दुनिया भर में हुए अध्ययनों के बाद तय हो गया कि 'आर्य सभ्यता' भारतीय ही थी। राखीगढ़ी के उत्खनन से निकले इस सच को देश के पाठ्यक्रमों में शामिल करने का श्रेय 'राखीगढ़ीमैन' के नाम से प्रसिद्ध प्राध्यापक वसंत शिंदे को जाता है। एनसीईआरटी की कक्षा 12 की किताब में बदलाव किया गया है। इतिहास की पुस्तक में 'ईंट, मोती और हड्डियां = हड़प्पा सभ्यता' पाठ में आर्यों को मूल भारतीय बताया गया है। कक्षा 7, 8, 10 व 11 की इतिहास व समाजशास्त्र की पुस्तकों में भी बदलाव किया गया है। इतिहास तथ्य और घटना के सत्य पर आधारित होता है, इसलिए इसकी साहित्य की तरह व्याख्या संभव नहीं है। विचारधारा के चश्मे से इतिहास को देखना उसके मूल से खिलवाड़ है परंतु अब आर्यों के भारतीय होने संबंधी एक के बाद एक शोध आने के बाद इतिहास बदला जाने लगा है। इस सिलसिले में पहला शोध स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय के टॉमस कीवी शील्ड ने किया था। 2003 में 'अमेरिकन जर्नल ऑफ ह्यूमन जेनेटिक्स' में प्रकाशित इस शोध-पत्र में सबसे पुरानी जाति और जनजाति के वंशाणु (जीन) के आधार पर आर्यों को भारत का मूल निवासी बताया गया था। हालांकि 2009 में वाराणसी हिन्दू विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. लालजी सिंह और प्रो. थंगराज ने भी आनुवांशिक परीक्षण के बाद आयरे को मूल भारतीय बताया था। 2019 में प्रो. वसंत शिंदे द्वारा राखीगढ़ी उत्खनन से मिले 4000 साल पुराने वंशाणु की जांच में सबसे बड़ा सच सामने आया। शोध में पाया गया कि राखीगढ़ी से मिला जीन वर्तमान के प्रत्येक भारतीय व्यक्ति में उपलब्ध है। एनसीआरईटी की इतिहास पाठ्यक्रम निर्धारण समिति के अध्यक्ष बनने पर प्रो. शिंदे ने इस तथ्य के आधार पर पाठ्यक्रम में संशोधन कराए हैं। इसी पुस्तक में मराठा शासक छत्रपति शिवाजी के नाम के साथ छत्रपति और महाराज जोड़ा गया है। कक्षा 12वीं के समाजशास्त्र विषय के पाठ्यक्रम से सांप्रदायिक दंगों के चित्र हटाए गए हैं। इतिहास की पुस्तकों में यह बदलाव सिनौली-राखीगढ़ी में हुए उत्खननों में मिले साक्ष्यों के आधार पर संभव हुआ है। गोया, अब यह अवधारणा पलट गई है कि आर्य न तो विदेशी थे और न ही उन्होंने भारत पर आक्रमण किया। हरियाणा के हिसार जिले के राखीगढ़ी में पुरातत्वीय खुदाई में 5000 साल पुराने मिले दो मानव कंकालों के डीएनए अध्ययन के निष्कर्ष से यह धारणा सामने आई है। इन कंकालों में एक पुरुष और एक स्त्री का था। इनके कई नमूने लेकर उनका आनुवांशिक अध्ययन पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग, भारत सरकार, डेक्कन विश्वविद्यालय पुणे, सीसीएमबी, हैदराबाद और हार्वड स्कूल ऑफ मेडिसन बोस्टन, यूएसए ने किया है। डीएनए विश्लेशण में यह भी स्पष्ट हो गया है कि आर्य और द्रविड़ मूल भारतीय हैं। आर्य हमलावर के रूप में विदेश से आए होते और नरसंहार किया होता तो मानव कंकालों के शरीर पर घावों के निशान होते। भारतीय संस्कृति और भाषाएं नष्ट हो गई होतीं। ऐसा होता तो आक्रमण की बात सिद्ध होती। व्यापार, पर्यटन आदि के लिए भारत में विदेशी आते रहे और भारतीय भी विदेश जाते रहे, इन कारणों से जीन में मिलावट होती रही हैं। प्रो. शिंदे ने राखीगढ़ी के उत्खनन के समय बताया था कि अलग-अलग खुदाई में 106 से भी ज्यादा नर-कंकाल मिले। भिन्न आकार-आकृति के हवन-कुंड और कोयले के अवशेष भी मिले हैं। तय है कि भारत में 5000 साल पहले हवन होते थे। यहीं सरस्वती और इसकी सहायक दृश्यवंती नदी के किनारे हड़प्पा सभ्यता के निशान मिले हैं। ये लोग सरस्वती की पूजा करते थे। आनुवांशिक अनुसंधान ऐतिहासिक-अवधारणाओं को बदलने के ये आधार बने हैं। 'आर्यों' के ऊपर 'आनुवांशिकी' के आधार पर पहले भी एक शोध सामने आया है। उससे तय हुआ है कि भारतीयों की कोशिकाओं का जो आनुवांशिकी ढांचा है, वह बहुत पुराना है। डीएनए के आधार पर एक महत्त्वपूर्ण खोज से साबित हुआ है कि भारत के बहुसंख्यक लोगों के दक्षिण भारतीय दो आदिवासी समुदाय पूर्वज हैं। गंगा घाटी से आयरलैंड तक की भाषाएं आर्य परिवार की आर्य भाषाएं हैं। इसी कारण इन भाषाओं में लिपि एवं उच्चारण की भिन्नता होने के बावजूद अपभ्रंशी समरूपता है और इन भाषाओं का उद्गम स्त्रोत संस्कृत है। बंगाली इतिहासकार एसी दास इस स्थान अथवा मूल भारतीयों का निवास स्थल 'सप्त सिंधु' मानते हैं, जो पंजाब में था। अब आर्यों के मूल भारतीय होने की अवधारणा को मान्यता मिल रही है। तब इतिहास के इस तथ्य के बदलाव को केवल शालेय पुस्तकों में परिवर्तन तक सीमित न रखते हुए उच्च शिक्षा में भी बदलाव जरूरी हैं।

चुनावी दौर में महंगाई का तड़का, चाय की चुस्की से लेकर आटा-दाल हुए महंगे, अरहर दाल 180 रुपये किलो पहुंची

रायपुर। नए वित्तीय वर्ष 2024-25 का पहला महीना पूरा होने वाला है और खाद्य सामग्रियों पर महंगाई की मार पड़ने वाली है। इन दिनों बाजार में चाय की चुस्की से लेकर आटा-दाल सबकी कीमतों में तेजी आ गई है। चिल्हर अनाज बाजार में पखवाड़े भर पहले 165 रुपये किलो तक बिक रही राहर दाल इन दिनों 180 रुपये किलो पहुंच गई है। थोक में ही राहर दाल इन दिनों 13500 रुपये प्रति क्विंटल से लेकर 17000 रुपये प्रति क्विंटल बिक रही है। राहर दाल के साथ ही चना दाल भी इन दिनों 80 रुपये किलो पार हो गई है। कारोबारियों का कहना है कि आने वाले दिनों में दालों की कीमतों में और तेजी की संभावना है। नई फसल से आवक शुरू होने के बाद भी पैदावार कम होने के चलते दाल की आवक कमजोर बनी हुई है। खाद्य सामग्री की कीमतों में आई तेजी का असर उपभोक्ताओं के महीने के बजट में पड़ा है और पिछले वर्ष अप्रैल की तुलना में इस वर्ष अप्रैल में महीने के बजट में करीब 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी आ गई है। अनाज बाजार में इन दिनों 235 रुपये (प्रति पांच किलो) में बिकने वाला ब्रांडेड आटा 245 रुपये (प्रति पांच किलो) हो गया है। कारोबारी मनीष राठौड़ ने बताया कि दालों में तो आवक कमजोर होने के कारण कीमतों में तेजी आई है। वहीं इन दिनों आटे की मांग में जबरदस्त तेजी आई है,इसका असर कीमतों में देखने को मिला है।

Demo Pic

चाय व चीनी दोनों महंगे

चाय व चीनी दोनों की कीमतों में तेजी आ गई है। पिछले वर्ष अप्रैल 2023 में 450 रुपये किलो बिकने वाली चाय इन दिनों 500 रुपये किलो से ज्यादा हो गई है। वहीं पिछले वर्ष अप्रैल में 39 से 40 रुपये किलो बिकने वाली चीनी इन दिनों 41 से 43 रुपये किलो बिक रही है। पैकेज्ड दूध भी इन दिनों 56 रुपये लीटर बिक रहे है,पिछले वर्ष यह दूध 54 रुपये लीटर था।

चावल 12 रुपये किलो महंगे

पिछले वर्ष अप्रैल की तुलना में इस वर्ष अप्रैल में चावल की कीमतों में जबरदस्त तेजी आ गई है। अप्रैल 2023 में 45 से 49 रुपये किलो में बिकने वाला चावल इन दिनों 47 से 61 रुपये किलो बिक रहा है। हालांकि चावल की कीमतों में तेजी दिसंबर 2023 से ही आनी शुरू हो गई थी।

पखवाड़े भर में ही दौड़ पड़ा अनाज किराना मार्केट

बीते पखवाड़े भर में ही थोड़े सुस्त चल रहे अनाज किराना मार्केट की रफ्तार जबरदस्त बढ़ गई। इस पखवाड़े में त्योहारों के चलते शहर में लगभग 800 से ज्यादा क्षेत्रों में भंडारा का आयोजन हुआ,इसके चलते बीते आटा व चावल की जबरदस्त बिक्री हुई। बताया जा रहा है कि बीते तीन महीने में होने वाली आटा-चावल की बिक्री इन 15 दिनों में ही हो गई।

टीआरएन एनर्जी के विरोध में 5 गाँव के ग्रामीणों ने किया चुनाव बहिष्कार का ऐलान

कहा- महावीर कोल वेनिफिकेशन ही बिना अनुमति कर रहा विस्तार

रायगढ़। घरघोड़ा घरघोड़ा अनुविभाग अन्तर्गत ग्राम-भंगारी, कटंगडीह, नावापारा (टेण्डा), चारमार, खोखरोआमा में आदिवासियों के जमीनों को औद्योगिक घरानों द्वारा फर्जी रजिस्ट्री और बेनामी अन्तरण से संरक्षण करने वाली कानूनों का धरातल में निष्क्रियता के कारण आगामी लोकसभा चुनाव 2024 का बहिष्कार करने को लेकर ग्रामीणों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है।

जिले के घरघोडा विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम भेंगारी में टीआरएन एनर्जी व महावीर कोल वेनिफिकेशन द्वारा कंपनी द्वारा क्षेत्र के करीब आधे दर्जन गांव के सौ से अधिक आदिवासी परिवारों के भू-स्वामी हक की जमीनों को बिना सहमति कपट पूर्वक बेनामी रूप से हडपे जाने के कारण पीडित आदिवासियों के द्वारा भू-राजस्व संहिता की धारा 170 ख के मामले में शिकायत व कार्रवाई की मांग की गई है जो प्रकरण अनुविभाग कार्यालय, न्यायलय में लंबित है। इन ग्रामीणों का कहना है कि ये पीड़ित आदिवासी परिवार अपने खेत व जमीन को बेचने के लिये कभी भी पंजीयक कार्यालय घरघोडा नही गए जबकि फर्जी सेल डीड रजिस्ट्री दस्तावेजों में उल्लेखित क्रेता व विक्रेताओं के नाम पिता का नाम गवाह फोओ इत्यादि फर्जी कूटरचना से तैयार किये गए हैं यही नही यहां के अधिकांश फर्जी अंतरण के मामलों में केवल 5-6 लोगों का नाम ही गवाहों के रूप में बार-बार उल्लेख किया गया है जो कि क्षेत्र में जमीन दलाल के रूप में जाने जाते हैं और यह प्रक्रिया अपने आप में फर्जी रजिस्ट्री की ओर इशारा करती है।

ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि भू-राजस्व संहिता की धारा 165 के तहत किसी भी आदिवासी भू-स्वामी की जमीन खरीदने के लिये कलेक्टर की अनुमति आवश्यक है। लेकिन इन मामलों में किस कानून का व्यापक रूप से उल्लंघन किया गया है। यही नही इन दोनों औद्योगिक कंपनियों के द्वारा अन्य जिले के एक ही आदिवासी व्यक्ति अथवा व्यक्तियों के नाम से टुकडो में जमीन की खरीदी की गई हैं जो कि बेनामी अंतरण की श्रेणी में आता है। दरअसल ऐसे फर्जी दस्तावेज के आधार पर खरीदी करने वाले केता कंपनी के ही अधिनस्थ ठेका कर्मचारी है। दोनों कंपनी प्रबंधनों के द्वारा यहां के मूल आदिवासी किसानों को उनके जमीनों से बेदखल करके उद्योग स्थापित किया गया है तथा उद्योग स्थापना के लिये पेड़ो की अवैध कटाई तथा येश डाईक का निर्माण किया गया है। कंपनी प्रबंधनों के द्वारा भू-अर्जन की पारदर्शी की प्रक्रिया का भी पालन नही किया गया है। यहां तक की पीड़ित आदिवासी किसानों को व्यवस्थापन के तहत मुआवजा और पूर्नवाह नीति का लाभ भी अब तक नही मिला हैं इसके बावजूद कंपनी प्रबंधन के द्वारा पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन की रिपोर्ट में वास्तविक तथ्यों को छुपाया गया है। जबकि हकीकत में कंपनियों के अपशिष्टो व रिस्ते फ्लाई ऐश के कारण निस्तार कुरकुट नदी और किसानों के खेत प्रदूषित हो रहे हैं और आदिवासी किसानों का जीवन यापन कठिन से कठन होनें लगा है। उनकी फसले प्रभावित हो रही हैं, खेत की मृदा नष्ट हो रही है। यही नही इस मामले में राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण द्वारा उपरोक्त मामलों में आपत्ति जताते हुए औद्योगिक परियोजनाओं का विस्तार नही किये जाने को लेकर आदेश पारित करने के बावजूद महावीर कंपनी के द्वरा बिना स्वीकृति अवैधानिक रूप से कोल वाशरी का निर्माण व विस्तार किया जा रहा है। क्षेत्र के प्रभावित आदिवासी किसानों का कहना है कि यह संपूर्ण क्षेत्र पांचवी अनुसूची क्षेत्र के अंतर्गत आता है। कार्पोरेट घरानों और गैर आदिवासी तथा प्रभावशाली लोगों एवं गुंडातत्वों के द्वारा आदिवासियों की जमीनों को जोरजबर्दस्ती से बलपूर्वक से अवैध कब्जा कर उन्हें बेदखल कर देने के संबंध में ग्राम सभाओं और जनता के विरोध तथा कई बार शिकायतों के बावजूद इस मामले में कानूनी कार्रवाई अब तक लगभग शून्य है। अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण के संबंध में शिकायतों के बावजूद पुलिस मौन है। बेनामी संपत्ति मामलों में जांच कार्रवाई को प्रभावित भ्रमित करने के उद्देश्य से रायगढ़ व घरघोडा पुलिस प्रशासन द्वारा रोडा अटकाया जा रहा है। इन पीड़ित आदिवासी किसानों का कहना है कि यदि जल्द से जल्द उनकी समस्याओं का निराकरण नही किया गया तो सभी प्रभावित आदिवासी किसान अपने परिजनों के साथ आगामी लोकसभा चुनाव का बहिष्कार करने के लिये बाध्य होंगे। ज्ञापन पत्र में जनपद पंचायत घरघोड़ा, ग्राम पंचायत छोटे गुमडा के सरपंच सहित सौ से अधिक ग्रामीणों के हस्ताक्षर हैं।

ड्रॉप एंड गो एरिया में भी कर रहे थे अवैध वसूली

रायगढ़। रेलवे प्रशासन द्वारा स्टेशनों में यात्रियों के वाहनों के सुरक्षित पार्किंग व्यवस्था हेतु पार्किंग स्टैंड का प्रावधान किया गया है जहां वे यात्रा के दौरान रेलवे प्रशासन द्वारा निर्धारित शुल्क का भुगतान के साथ अपने वाहनों को खड़ा कर निश्चिंत यात्रा कर सके। पार्किंग का संचालन पार्किंग संचालकों द्वारा किया जाता है। पार्किंग के बेहतर संचालन प्रबंधन हेतु रेलवे अधिकारियों द्वारा नियमित निरीक्षण किया जाता है ताकि यात्रियों को अपनी वाहनों को रखने में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। रेलवे प्रशासन को विभिन्न समाचार पत्रों के माध्यम से जानकारी हुई कि रायगढ़ पार्किंग संचालक द्वारा ड्रॉप एंड गो व सर्कुलेटिंग क्षेत्र में भी पार्किंग शुल्क वसूली के साथ बदसलूकी की जा रही है। इसके संज्ञान में आते ही वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अनुराग कुमार सिंह द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुये इसकी जांच कराई गई तथा रायगढ़ पार्किंग संचालक पर 25 हजार रुपए का अर्थदण्ड आरोपित किया गया। साथ ही भविष्य में ऐसी शिकायतें मिलने पर इससे भी कठोर दंडात्मक कार्यवाही करने के साथ ही पार्किंग टेंडर को निरस्त करने की चेतावनी दी गई। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अनुराग कुमार सिंह द्वारा रायगढ़ स्टेशन के पार्किंग स्टैंड का लगातार औचक निरीक्षण करने का निर्देश भी सर्व संबंधितों को दिया गया है।

कछार एवं कांशीचुआ शक्ति केंद्र महिला संघी का बैठक शिवकुमारी साहू के निवास स्थान डूमरपाली में सम्पन्न हुआ

खरसिया। खरसिया विधानसभा क्षेत्र के पश्चिम मंडल के शक्ति केंद्र कछार एवं कांशीचुआ में लोकसभा प्रत्याशी राधेश्याम राठिया को भारी मतों से जिताने हेतु महिला शक्ति सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष शीला तिवारी, सावित्री मिश्रा, रामकली तिवारी, शिवकुमारी साहू,राधा पटेल, चमेली चौहान, शकुंतला किसन डूमरपाली सरपंच , राजकुमारी पटेल लेबडा सरपंच, रेखा महंत, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष विजय अग्रवाल, लोचन पटेल, अजय अग्रवाल, दिनेश उरांव, ईश्वर पटेल, लाभों साहू, वाशू पटेल, जयप्रकाश पटेल, सनत नायक, शिवलाल साहू, विष्णु पटेल सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विश्व मलेरिया दिवस पर हुआ जागरूकता कार्यक्रम

कुड़ेकेला। हर वर्ष की भांति कार्यालय खंड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विजयनगर धर्मजयगढ़ में 25 अप्रैल को विश्व मलेरिया दिवस मनाया गया। इस अवसर पर लोगों को मलेरिया से बचने के उपायों के बारे में बताया गया। जिनमें सोते समय मछर्दानी का उपयोग, अपने घर के आस पास साफ सफाई रखने, शाम होने पर पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनने, घर के खिड़कियों पर जाली लगाने, कूलर को हर सप्ताह सफाई करने आदि की जानकारी दी गई। बीएमओ ने बताया कि मलेरिया के मच्छर एक सप्ताह से ज्यादा रुके हुए पानी में अंडे देती है और वही से व्यस्क मच्छर पैदा होते हैं। मच्छर एक बीमार व्यक्ति से स्वस्थ व्यक्ति को काट कर बीमारी फैलाता है। आधिकारी द्वारा कोई भी बुखार होने पर नजदीकी स्वास्थ केंद्र एवं मितानीन दीदी से मलेरिया जाँच कराने की सलाह दी गई। उन्होंने बताया कि इसका उपचार एवं जाँच फ्री में सरकारी स्वास्थ केंद्र में किया जाता है। इस अवसर पर कार्यालय खंड चिकित्सा अधिकारी धरमजयगढ़ के सभी कर्मचारी अधिकारी उपस्थित रहे।

RNI No. CHHHIN/2011/38292
भारत सम्मान NEWS
अम्बिकापुर, शुक्रवार, 26 अप्रैल 2024

विरासत टैक्स मामले मे कांग्रेस पर भड़के विष्णु देव साय

कहा- 'देश के लोगों की संपत्ति-संसाधन आदिवासी, दलित, पिछड़ों, गरीबों के हैं, विदेशी घुसपैठियों रोहिंग्याओं के नहीं'

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विरासत टैक्स मामले मे कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस ने भारतीय समाज की उस पारिवारिक संरचना पर सीधा प्रहार किया है जो संपत्तियों को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को हस्तांतरित करती है और पारिवारिक रिश्तों को जोड़ने की मजबूत कड़ी है।

श्री साय ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने देश के टुकड़े किए फिर उसे जातियों मे बांटा, उसके बाद धार्मिक तुष्टीकरण करने के लिए देश के संसाधनों पर पहला हक मुस्लिमों का बताया। अब कांग्रेस कह रही है की आगे वो सत्ता मे आई तो कानून बना कर लोगों के मरने के बाद उनकी संपत्ति सरकार के जरिए हड़प लेगी। सैम पित्रोदा के बयान ने इसकी पुष्टि की है। यह बेहद शर्मनाक है। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी ने बीते दिनों एक बयान में कहा था कि अगर चुनाव बाद उनकी सरकार सत्ता में आई तो एक सर्वे कराया जाएगा और पता लगाया जाएगा कि किसके पास कितनी संपत्ति है और अब सैम पित्रोदा ने अमेरिकी कानून का हवाला देकर कहा है, 'अमेरिका में 55 फीसदी संपत्ति सरकारी

खजाने में जाती है। अमेरिका में विरासत पर कर लगता है। अगर किसी के पास 100 मिलियन डॉलर की संपत्ति है और जब वह मर जाता है तो वह केवल 45 प्रतिशत अपने बच्चों को हस्तांतरित कर सकता है जबकि 55 प्रतिशत सरकार द्वारा हड़प लिया जाता है। लेकिन भारत में रहकर अपनी पीढ़ी के लिए संपत्ति जुटाई और जब आप स्वर्गवासी हो रहे हैं तो आपको अपनी संपत्ति जनता के लिए छोड़नी चाहिए। श्री साय ने कहा है कि कांग्रेस मुस्लिम तुष्टिकरण में इतनी अंधी हो गई है की वो देश के सनातन परंपरा और परिवार परंपरा पर सीधा चोट कर रही है। उनकी मंशा है की देश के लोगों की जायदाद राजसात कर उसे उनके बीच बाँट दे जिनके ज्यादा बच्चे हैं या घुसपैठिए हैं। इस देश और छत्तीसगढ़ की जनता को यह कतई स्वीकार नहीं है। श्री साय ने कड़ी शब्दों में कहा है कि देश के लोगों की संपत्ति विदेशी घुसपैठियों के लिए नहीं है, यहाँ के संसाधन भी रोहिंग्याओं के लिए नहीं है। यह संपत्ति-संसाधन हमारे आदिवासी, दलित, पिछड़ों, और गरीबों का है। इस पर कांग्रेस की बुरी नीयत को हम सहन नहीं करेंगे।

किसान कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष रामविलास साहू ने दिया इस्तीफा, कहा- मूल उद्देश्यों से भटक गई है पार्टी

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रामविलास साहू ने गुरुवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है. उन्होंने पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज को पत्र लिखकर अपना इस्तीफा सौंपा। लेटर में रामविलास साहू ने कहा कि कांग्रेस पार्टी मूल उद्देश्यों से भटक गई है. हिन्दू विरोधी निर्णय पार्टी में लिए जा रहे हैं. पदाधिकारियों की उपेक्षा की जा रही है. इन सारी बातों के कारण मैंने किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने का फैसला लिया हैं।

डिप्टी सीएम विजय शर्मा का भूपेश बघेल पर तीखा प्रहार, कहा- इनके कार्यकाल में अकबर, ढेबर चलाते थे सरकार

रायपुर। लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा और कांग्रेस के बीच जुबानी जंग जारी है. ताजा घटनाक्रम में राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने हमला बालते हुए कहा कि इनके कार्यकाल में मोहम्मद अकबर, ढेबर सरकार चलाते थे. भूपेश को वोट देना यानि मोहम्मद अकबर को वोट देना है।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने मीडिया से चर्चा में कहा कि राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र से भूपेश बघेल लड़ रहे हैं. इनको वोट देना यानी कि मोहम्मद अकबर को वोट देना है. पांच सालों तक सरकार चलाते समय उन्होंने सरकार नहीं चलाई. सरकार चलाई अकबर ने, ढेबर ने, और उनकी जो सरकार चली है तो क्या अंधाधुन हुआ है, सब जान रहे हैं. किस तरह से तुष्टीकरण की कांग्रेस की नीति परवान चढ़ी थी, सब

जानते हैं। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि कवर्धा में भगवा ध्वज के संदर्भ में जो विवाद हुआ था, भगवा ध्वज का अपमान हुआ था, उसकी सुध लेने वाला कोई नहीं था. बिरनपुर में जो घटना हुई थी, उसकी सुध लेने वाला कोई नहीं था. कभी उन्होंने नहीं पूछा. सिर्फ वोट बैंक की राजनीति के चलते, सिर्फ तुष्टीकरण की राजनीति के चलते। भाजपा के प्रदेश महामंत्री भरत वर्मा ने भी भूपेश बघेल पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल लगातार भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे हुए हैं, और राजनांदगांव लोकसभा से उम्मीदवार हैं. आप सबको मालूम है इस प्रदेश में 16 माह से उनकी पूर्व सचिव सौम्या चौरसिया गिरफ्तार है. लगातार भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार है।

प्रदेश महामंत्री एक तरफ अभी आप सब लोग देखे राजनांदगांव में जहां के पूर्व जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष नवाज खान के ऊपर भी लगातार भ्रष्टाचार के आरोप लगे हुए हैं. मैं आम जनता से पूछना चाहूंगा कि इस प्रदेश में भूपेश बघेल यानी छत्तीसगढ़ को लूटने वाले एक तरफ नवाज खान है, एक तरफ सौम्या चौरसिया है. क्या हम इसको वोट देंगे?

महादेव सट्टा एप मामलाः चंद्रभूषण वर्मा, सतीश चंद्राकर और सुनील दम्मानी की ईओडब्ल्यू को मिली रिमांड, पांच दिन तक होगी पूछताछ

रायपुर। महादेव सट्टा एप मामले में जेल में बंद आरोपी चंद्रभूषण वर्मा, सतीश चंद्राकर और सुनील दम्मानी को आज ईओडब्ल्यू की टीम ने विशेष कोर्ट में पेश किया. ईओडब्ल्यू ने तीनों आरोपियों की कोर्ट से रिमांड मांग की. मामले में सुनवाई के बाद कोर्ट ने तीनों आरोपियों को 5 दिन की रिमांड पर ईओडब्ल्यू को सौंप दिया है. तीनों आरोपियों से ऑनलाइन बैटिंग महादेव सट्टा एप में ईओडब्ल्यू की टीम 30 अप्रैल तक पूछताछ करेगी।

रायगढ़ के हटरी चौक के पास ट्रांसफार्मर में लगी भयंकर आग, तीन बाईक हुई खाक

रायगढ़। जिला मुख्यालय में शुक्रवार की सुबह उस वक्त अफरा-तफरी की स्थिति निर्मित हो गई जब सड़क किनारे लगे एक साथ लगे दो ट्रांसफार्मर में अचानक आग लग गई। इस आग की चपेट में आने से ट्रांसफार्मर के नीचे खड़ी तीन मोटर सायकल के अलावा के अलावा पास के घर में भी आग लग गई। घटना की जानकारी के बाद फायर बिग्रेड को घटना से अवगत कराया गया जिसके मौके पर पहुंचने के बाद कई घंटों बाद आग पर काबू पाया जा सका।

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार गुरूवार की सुबह शहर के हटरी चैक के पास सड़क किनारे लगे ट्रांसफार्मर में आग लग गई। देखते ही देखते इस आग ने भयावह रूप अख्तियार कर लिया और फिर ट्रांसफार्मर के नीचे खड़ी तीन मोटर सायकल इसकी चपेट में पूरी तरह जलकर खाक हो गई। अचानक लगी इस आग से क्षेत्र के लोगों भय व दहशत का माहौल निर्मित हो गया जिसके बाद उन्होंने इस घटना की जानकारी तत्काल फायर बिग्रेड के अलावा विद्युत विभाग के अधिकारियो को दी। क्षेत्र के लोगों ने बताया कि फायर बिग्रेड की टीम को सूचना देने के बाद करीब आधे घंटे बाद वह मौके पर पहुंची तब तक आग भयंकर रूप अख्तियार कर चुकी थी जिसकी लपटे करीब 20 फीट तक पहुंच चुकी थी साथ ही साथ आग ने ट्रांसफार्मर के बगल में स्थित एक मकान के सामने के

हिस्से को भी अपनी चपेट में ले लिया था। फायर बिग्रेड की टीम ने करीब एक घंटे के मशक्कत के बाद किसी तरह आग पर काबू पाया तब जाकर लोगों ने राहत की सांस ली। जिस जगह यह आग लगी उस स्थल में दिन भर काफी चहल पहल रहती है। गुरूवार की सुबह इस आगजनी की घटना के बाद इस मार्ग में वाहनों का आवागमन पूरी तरह बंद हो गया था जिससे शहर में जाम की स्थिति से लोगों को जूझना पड़ा।

पीसीसी चीफ दीपक बैज का भाजपा सरकार पर प्रहार

कहा - मोदी और साय सरकार के खिलाफ एंटी इनकंबेसी की लहर, हर चीजों में सांय-सांय कर रहे कटौती

बिलासपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने राहुल गांधी के सकरी स्थित प्रस्तावित सभा स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान मीडिया से बातचीत में बैज ने राज्य सरकार पर हमला बोला. उन्होंने कहा, 4 महीने की सरकार से सरकार संभल नहीं रही और सरकार चल नहीं रही है. छत्तीसगढ़ में सरकार दिल्ली के रिमोट कंट्रोल से चल रही है इसलिए छत्तीसगढ़ में बिजली, राशन, बेरोजगारी, भत्ता समेत हर चीजों में सांय-सांय कटौती चल रही है. लिहाजा राज्य सरकार का कटौती में कोई नियंत्रण नहीं है। पीसीसी चीफ दीपक बैज ने लोकसभा चुनाव को लेकर बड़ा दावा किया. उन्होंने कहा, देश और छत्तीसगढ़ में मोदी सरकार और चार महीने की साय सरकार के खिलाफ जबरदस्त एंटी इनकंबेसी की लहर है. पूरे छत्तीसगढ़ की सभी 11 सीटों पर कांग्रेस पार्टी पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ रही है. दीपक बैज ने छत्तीसगढ़ में भाजपा से अधिक सीट जीतने का दावा भी किया।

मोदी सरकार को ट्रेन यात्रियों की सुविधाओं से कोई सरोकार नहीं

दीपक बैज ने कहा, लोकसभा चुनाव में कांग्रेस मोदी सरकार की वादाखिलाफी और झूठे वादे को मुद्दा बनाएगी. महंगाई, बेरोजगारी, काला धन, किसानों के समृद्धि और ट्रेनों का मुद्दा है. पूरे भारत देश के यात्री ट्रेनों की समस्याओं से जूझ रही है, लेकिन केंद्र और भाजपा सरकार को गरीब और ट्रेन यात्रियों की सुविधाओं से कोई सरोकार नहीं है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन के प्रवास पर छत्तीसगढ़ पहुंचे थे, लेकिन इन मुद्दों पर कोई जिक्र तक नहीं किया।

शराब घोटाला मामला: 2 मई तक ईओडब्ल्यू की रिमांड पर त्रिलोक ढिल्लन

रायपुर। शराब घोटाले मामले के आरोपी त्रिलोक सिंह ढिल्लन को ईओडब्ल्यू ने आज कोर्ट में पेश किया, जहां ढिल्लन को 2 मई तक ईओडब्ल्यू की रिमांड पर भेजा गया. बता दें कि ईओडब्ल्यू की टीम ने त्रिलोक सिंह ढिल्लन को साउथ से गिरफ्तार कर आज सुबह फ्लाइट से रायपुर लेकर पहुंची थी.

RNI No. CHHHIN/2011/38292
भारत सम्मान NEWS
अम्बिकापुर, शुक्रवार, 26 अप्रैल 2024

आईपीएल में सट्टा खिलाने वाले 8 सटोरिए गोवा से गिरफ्तार

करोड़ों की लेन-देन, 4 लैपटॉप, 27 मोबाइल, 11 एटीएम कार्ड जब्त

ये हैं गिरफ्तार सटोरिए

तनुल गुरनानी पिता अमृत लाल गुरनानी उम्र 29 साल निवासी महारानी लक्ष्मी वार्ड सिंधी कालोनी सिवनी (म.प्र.)।

शुभम माथुर पिता अरविंद माथुर उम्र 27 साल निवासी विक्रम स्कुल के पास सालासर रोड थाना कोतवाली सीकर (राजस्थान)।

नीरज मूलचंदानी पिता राजेश मूलचंदानी उम्र 21 साल निवासी गली नंबर 02 महादेव मंदिर के पास थाना तेलीबांधा रायपुर।

श्याम सुंदर जगत पिता रामसिंह जगत उम्र 35 साल निवासी ग्राम भैंसतरा थाना बलौदा जिला जांजगीर-चांपा।

पवन कुमार शेखावत पिता सांवरमल शेखावत उम्र 31 साल निवासी ग्राम पोस्ट कबीरसर थाना बिसाहू जिला झुनझुनु मण्डावा (राजस्थान)।

रोहित आहुजा पिता राजकुमार आहुजा उम्र 30 साल निवासी माधवनगर कुंदनदास स्कुल शांति नगर कालोनी थाना माधवनगर कटनी (म.प्र.)।

शुभम बजाज पिता स्व. राजेश बजाज उम्र 25 साल निवासी रानी रोड जयभोले प्रोडक्ट गनवारपारा लक्ष्मण बेकरी के पास थाना कोतवाली जिला कोरबा।

प्रदीप शर्मा पिता बाबूलाल शर्मा उम्र 28 साल निवासी इच्छापुर बालाजी मंदिर के पास जयपुर रोड थाना उद्योग नगर जिला सीकर (राजस्थान)।

रायपुर। आईपीएल क्रिकेट मैच के दौरान सट्टा संचालित करते 5 अंतर्राज्यीय सहित कुल 8 सटोरियों को एंटी क्राइम एंड सायबर यूनिट और गंज पुलिस ने धर दबोचा है. ये आरोपी गोवा में बैठकर एमडी 143 आईडी से आईपीएल क्रिकेट मैच में सट्टे का संचालन कर रहे थे. ये सटोरिए 25 लाख रुपए में एमडी 143 आईडी लिए थे. सटोरियों के कब्जे से 4 नग लैपटॉप, 01 नग कैमरा, 01 नग कैल्क्युलेटर, 27 नग मोबाइल फोन, 1 राउटर एवं लिंक कनेक्टर जुमला कीमती लगभग 10,00,000 रुपए और 11 नग एटीएम कार्ड एवं 1 चेक बुक जब्त किया गया है।

सटोरियों के पास जब्त मोबाइल फोन में लगभग 10 करोड़ों रुपए के लेन-देन की जानकारी प्राप्त हुई है. सटोरियों के विरूद्ध गंज थाने में अपराध दर्ज कर सभी को जेल भेज दिया गया है. इस मामले में जय, करण एवं मोहित नामक सटोरियों की संलिप्तता के संबंध में जानकारी प्राप्त हुई है, जिनकी पतासाजी में पुलिस जुटी है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह ने रायपुर पुलिस के सभी पुलिस राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों सहित प्रभारी एंटी क्राइम एंड सायबर यूनिट को आईपीएल क्रिकेट मैच 2024 के सीजन में क्रिकेट मैच के दौरान सट्टा खेलने/खिलाने वालों एवं इस कारोबार में संलिप्त लोगों की पतासाजी कर आवश्यक कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया है. 22 अप्रैल को एण्टी क्राइम एण्ड सायबर यूनिट टीम को सूचना प्राप्त हुई कि थाना गंज क्षेत्रांतर्गत स्थित रेलवे स्टेशन पास एक व्यक्ति अपने मोबाइल फोन में आईपीएल क्रिकेट मैच के दौरान ऑनलाइन सट्टा खेल रहा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक क्राइम संदीप मित्तल एवं उप पुलिस अधीक्षक क्राइम संजय सिंह ने प्रभारी एण्टी क्राइम एवं सायबर यूनिट तथा थाना प्रभारी गंज को व्यक्ति को गिरफ्तार करने आवश्यक दिशा निर्देश दिए. इस पर एण्टी क्राइम एण्ड सायबर यूनिट तथा थाना गंज पुलिस की संयुक्त टीम ने उक्त स्थान पर जाकर मुखबीर द्वारा बताए हुलिये के व्यक्ति को चिन्हांकित कर पकड़ा. टीम के सदस्यों ने व्यक्ति के पास रखे मोबाइल फोन को चेक किया, जिसमें आईपीएल क्रिकेट मैच के दौरान ऑनलाइन सट्टा खेलना पाया गया. व्यक्ति से कड़ाई से पूछताछ करने पर उसके द्वारा कुछ मोबाइल नंबरों के धारकों से लाइन लेकर ऑनलाइन सट्टा खेलना बताने के साथ ही मोबाइल नंबर के धारकों को गोवा में होना बताया। एण्टी क्राइम एण्ड साइबर यूनिट रायपुर की टीम थाना माना के प्रकरण में आरोपी की पतासाजी के लिए पूर्व से महाराष्ट्र में उपस्थित थी. वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा गोवा में कैम्प कर गोवा में उपस्थित सटोरियों पर आवश्यक कार्यवाही करने निर्देशित किया गया, जिस पर टीम के सदस्यों ने गोवा में आरोपियों को लोकेट कर गोवा के एमव्हीआर होम्स स्थित एक फ्लैट में छापा मारा. रेड कार्रवाई के दौरान फ्लैट में 08 व्यक्ति उपस्थित थे, जो लैपटॉप व मोबाइल फोन के माध्यम से सेटअप तैयार कर ऑनलाइन सट्टा संचालित कर रहे थे. सटोरियों से कड़ाई से पूछताछ करने पर उनके द्वारा आईपीएल क्रिकेट मैच के दौरान एमडी 143 के माध्यम से ऑनलाइन सट्टा का संचालन स्वीकार करने के साथ ही जय, करण एवं मोहित को इस व्यवसाय में संलिप्त होना तथा साथ में मिलकर सट्टा संचालित करना बताया.

मछली पकड़ने गए दो भाइयों में एक ने तैरकर बचाई जान, दूसरे की तलाश जारी

आंधी-तूफान के चलते खूंटाघाट डैम में पलटी नाव

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में खूंटाघाट डैम में मछली पकड़ने गए दो भाइयों की नाव आंधी-तूफान के चलने से पलट गई। जहां छोटे भाई ने किसी तरह तैर कर अपनी जान बचाई। जिसके बाद उन्होंने मामले की जानकारी पुलिस को दी और एसडीआरएफ की टीम ढूढ़ने में लगी हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी और प्रशिक्षु आईपीएस अजय कुमार ने मिडिया को बताया कि, बुधवार शाम मछुआरा राहुल केवट अपने छोटे भाई पंकज के साथ खूंटाघाट डैम में मछलियां पकड़ रहा था। इसी दौरान तेज आंधी-तूफान आया और नाव डगमगाने लगी और नाव पलट गई। जिसके बाद दोनों भाई पानी में डूबने लगे। आसपास के लोगों ने नाव पलटते देख दोनों को बचाने की कोशिश की। लेकिन लोगों की मदद से किसी तरह राहुल खुद को बचाकर डैम के किनारे पहुंच गया। जबकि पंकज गहरे पानी में डूब गया। जिसके बाद लोगों ने उसकी तलाश शुरू की लेकिन वह नहीं मिला।

एसडीआरएफ की टीम ढूढ़ने में जुटी

पंकज के डूबने की सूचना स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस मौके पर पुलिस पहुंची लेकिन उपकरणों के अभाव में डैम में उतर नहीं सकी। इस बीच उन्होंने घटना की जानकारी एसडीआरएफ की टीम को दी। जिसके बाद अधिकारियों के निर्देश पर शाम को ही एसडीआरएफ की टीम भी खूंटाघाट पहुंच गई। बुधवार देर शाम तक एसडीआरएफ के जवानों ने लापता युवक की तलाश की। लेकिन, अंधेरा होने के कारण जवानों को खोजबीन करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। जिसके बाद जवान वापस लौट गए। गुरुवार सुबह फिर से लापता युवक की तलाश शुरू की गई है। दोनों रोहिनाडीह बाबापुती पाली के रहने वाले हैं।

कैप्सूल वाहन ने मारुति वैन को पीछे से मारी जोरदार टक्कर, बेटे की मौत, पिता गंभीर रूप से घायल

सक्ती। सक्ति जिले के अमलीडीह और भेड़ीकोना के बीच पुल के ऊपर कैप्सूल वाहन ने ओमनी वेन को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। ओमनी वैन में पिता-पुत्र सवार थे जोकि रामनवमी मेले में जूस बेचकर घर जा रहे थे। वहीं, हादसे में बेटे की मौत हुई है। पिता गंभीर रूप से घायल हुआ है।

सक्ति जिले के अमलीडीह और भेड़ीकोना के बीच पुल के ऊपर कैप्सूल वाहन ने ओमनी वैन को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। ओमनी वैन में पिता-पुत्र सवार थे जोकि रामनवमी मेले में जूस बेचकर घर जा रहे थे। वहीं, हादसे में बेटे की मौत हुई है। पिता गंभीर रूप से घायल हुआ है। जिसे बिलासपुर रेफर किया गया है। मृतक युवक के परिजनों और ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग की लेकर पुल के ऊपर शव को रखकर चक्का जाम किया ही। मौके पर पुलिस बल तैनात है और परिजनों को समझाकर जाम खुलवाया। जानकारी के मुताबिक, ग्राम लालीमाटी का रहने वाला सुरेश कुमार खुटे अपने पुत्र रूपेंद्र खूटे के साथ ओमनी वैन में बैठकर डभरा में चल रहे रामनवमी मेले में जूस बेचने आया हुआ था। जिसके बाद वह बुधवार की रात्रि अपने बेटे रूपेंद्र को लेकर घर जाने किए निकला। इस दौरान रात्रि करीबन 2 बजे पिता पुत्र दोनो अमाकोनी और भेड़ीकोना पुल के पास पहुंचे थे। तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार कैप्सूल वाहन के चालक ने ओमनी वेन को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। जिससे ओमनी वेन की परखच्चे उड़ गए। वैन के अंदर बैठे बैठे पिता-पुत्र को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया। जहां रूपेंद्र खूटे को जांच उपरांत डॉकटर ने मृतक घोषित किया। वहीं, पिता सुरेश कुमार खुटे की हालत गंभीर होने पर बिलासपुर रेफर किया गया है। घटना के कैप्सूल वाहन पुल के नीचे नदी में जा गिरा है। ड्राइवर का पता नही चल सका है।

साधराम हत्याकांड की एनआईए जांच के लिए साय सरकार ने केंद्रीय गृह सचिव को भेजा पत्र

रायपुर। कबीरधाम जिले में हुए साधराम हत्याकांड की जांच एनआईए से कराने साय सरकार ने केंद्रीय गृह सचिव को आग्रह पत्र भेजा है. बता दें कि साधराम यादव हत्याकांड से आक्रोशित परिजनों ने सीएम विष्णुदेव साय से मुलाकात की थी. इस दौरान परिजनों की मांग पर सीएम साय ने एनआईए से जांच कराने का आश्वासन दिया था. सीएम साय ने 28 फरवरी को एनआईए से जांच कराने का एलान भी किया था।

21 जनवरी की सुबह कबीरधाम जिले के लालपुर कला में साधराम यादव का

शव बरामद हुआ था. साधराम का गला रेतकर हत्या की गई थी. इस मामले की जांच के बाद पुलिस ने अयाज़ खान, इदरिस खान, सोफियान क़ुरैशी, अब्दुल मेहताब खान, शेख रफ़ीक और एक नाबालिग को गिरफ़्तार किया है. पूछताछ के दौरान आरोपियों के मोबाइल से कश्मीर से जुड़े संदिग्ध नंबर बरामद हुए. पुलिस ने विवेचना में यह पाया कि आरोपियों की आवाजाही कश्मीर में भी थी। 20-21 अप्रैल की दरमियानी हुई हत्या के मामले में कबीरधाम पुलिस ने आरोपियों के मोबाइल तथा अन्य अभिलेखों की जांच के बाद इस मामले की पृष्ठभूमि में कथित आतंकी और अतिवादी मुस्लिम संगठनों की संलिप्तता को देखते हुए इस मामले में 17 फ़रवरी को यूएपीए की धारा 16 जोड़ दी. इससे साफ हो गया था कि इस मामले की एनआईए जांच करेगी।

अपना खुद का न्यूज पोर्टल बनवाएं
पूर्ण Registration के साथ
+91 9303890212

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक जितेन्द्र जायसवाल द्वारा जायसवाल प्रिंटिंग प्रेस राघवपुरी, डीगमा, अम्बिकापुर, छत्तीसगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। संपादक जितेन्द्र जायसवाल। मो.नं.-09424262547